कान्हा सब तम अब हर लीजो

कान्हा सब तम अब हर लीजो

कान्हा सब तम अब हर लीजो,
चहुँ दिसि ब्यापत घोर अँधेरा,
गोविन्द नया सबेरा कीजो,
कान्हा सब तम----------

सब अपने छूटे सपने टूटे,
हरि धाय हाथ धर लीजो,
कान्हा सब तम ----------

इक आश तुम्ही विश्वाश तुम्ही,
अब नव उमंग भर दीजो,
कान्हा सब तम ----------

बिचलित मन नहि सुमिरै कान्हा,
मोरे मन मंदिर घर कीजो,
कान्हा सब तम ----------

रचना आभार : ज्योति नारायण पाठक
वाराणसी

Source: https://www.bharattemples.com/kanha-sab-tam-ab-har-liyo/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw